पार्टिसिपेंट्स को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

युद्ध से परे युद्ध की कहानी

मेट्रो रिपोर्टर. जयपुर

युद्ध में शहीद होने वाले जवानों के घर की क्या स्थिति होती है, उनकी विधवाओं और बच्चों के जीवन में क्या चुनौतियां आती हैं। युद्ध से परे और युद्ध के बाद की स्थिति शब्दों में समेटने वाली किताब 'द गरूड़ स्ट्राइक' का विमोचन शुक्रवार को हुआ। लेफ्टिनेंट कर्नल हिम्मेथ सिंह की पत्नी जेन की ओर से की गई रिसर्च पर आधारित इस बुक के लेखक भारतीय मूल के सिंगापुर निवासी लेखक मुकुल देवा हैं। बुक में वर्ष 1971 भारत-पाक युद्ध से जुड़ी घटनाएं से जुड़ी स्थिति को बताया गया है। बुक लॉन्चिंग कार्यक्रम के विशेष अतिथि के तौर पर 1971 वार के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर चंद्र कांत शामिल हुए।

इनकी है कहानी

बुक लॉन्चिंग के अवसर पर जेन हिम्मेथ सिंह ने बताया कि इस बुक में गाड्र्स (1 राजपूत) ब्रिगेड की चौथी बटालियन की कहानी है, जिसमें साधारण और आम लोग शामिल थे लेकिन जब अभियान का समय आया तो उन्होंने भी अपने कार्यों के जरिए इतिहास में नाम, दर्ज करवा लिया और पाकिस्तानी सेना के दर्दनाक और खतरनाक चंगुल से 75 मिलियन लोगों को मुक्त कराया था। उस दौरान 4 गाड्र्स (1 राजपूत) ब्रिगेड की कमान लेफ्टिनेंट कर्नल हिम्मेथ सिंह ने संभाली थी। यह अभियान वर्तमान समय में सबसे तेज और सफल अभियानों में माना जाता है। यह एक ऐसा अभियान था जिससे बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खुला और 95 हजार पाकित्सानी सैनिकों की गिरफ्तारी संभव हुई।